मसौदा प्रेस विज्ञप्ति

भारतीय तटरक्षक कमांडरों का सम्मेलन-2023

नई दिल्ली, 01 दिसंबर 23: 40वां तटरक्षक कमांडर सम्मेलन 30नवंबर से 01 दिसंबर 23 तक तटरक्षक मुख्यालय, नई दिल्ली में आयोजित किया गया। सम्मेलन में रक्षा मंत्रालय और भारतीय तटरक्षक (ICG) के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया, जिसमें महानिदेशक राकेश पाल, पीटीएम, टीएम, के साथ-साथ वरिष्ठ तटरक्षक अधिकारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति शामिल थे। यह सम्मेलन प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है, जहाँ सभी ध्वज अधिकारी भविष्य के लिए रोडमैप सामने रखते हैं। विभिन्न नीतिगत और रणनीतिक मुद्दों पर चर्चा करें। सम्मेलन का उद्देश्य सेवा के लिए एक भविष्यवादी दृष्टिकोण तैयार करना और चुनौतियों को कुशलतापूर्वक दूर करने के तौर-तरीकों का निर्धारण करना है।

माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 30 नवंबर 23 को सम्मेलन का उद्घाटन किया और भारत की तटीय सुरक्षा और समुद्री क्षमताओं को मजबूत करने के लिए सरकार की अटूट प्रतिबद्धता पर जोर दिया। सम्मेलन में समसामयिक समुद्री चुनौतियों से निपटने और भारत के तटीय निगरानी तंत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से कई चर्चाएं और रणनीतिक विचार-विमर्श हुए। महानिदेशक द्वारा उन्हें भारतीय तटरक्षक बल की चल रही विकासात्मक परियोजनाओं, परिचालन तत्परता और भविष्य की विस्तार योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई।

माननीय रक्षा मंत्री ने समुद्री खोज, बचाव और प्रदूषण प्रतिक्रिया के क्षेत्र में अग्रणी होने के लिए ICG के सभी प्रयासों पर प्रकाश डाला और तस्करी और नशीली दवाओं की तस्करी के खिलाफ अभियान जारी रखने पर जोर दिया। माननीय रक्षा मंत्री ने विश्वसनीय समुद्री सुरक्षा प्रदान करने के लिए अपने कर्तव्यों के निर्वहन में अत्यधिक समर्पण और व्यावसायिकता प्रदर्शित करने के लिए भारतीय तटरक्षक बल के

अधिकारियों और जवानों की भी सराहना की। माननीय रक्षा मंत्री ने कहा कि तटरक्षक बल ने शुरुआत से ही सभी परिस्थितियों में नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करके उन्हें महत्वपूर्ण सेवा प्रदान की है।

सम्मेलन के एजेंडे में महत्वपूर्ण विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल थी, जिसमें समुद्री सुरक्षा और संरक्षा को बढ़ाना जैसे कि खोज और बचाव अभियान, समुद्री प्रदूषण प्रतिक्रिया, प्रतिबंधित मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान, समुद्र में मछुआरों/नाविकों की सुरक्षा, तटीय सुरक्षा उपायों को अनुकूलित करना, अंतर-संबंध को बढ़ावा देना शामिल था। एजेंसी समन्वय और समुद्री डोमेन जागरूकता (एमडीए) को बढ़ावा देना। सम्मेलन के दौरान सामूहिक अंतर्दृष्टि और सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान भारत की विस्तृत समुद्री सीमाओं की सुरक्षा, सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करने के भारतीय तटरक्षक बल के संकल्प को और मजबूत करता है।

भारतीय तटरक्षक बल के महानिदेशक ने सभी कमांडरों की सक्रिय भागीदारी और व्यावहारिक योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने भारत की समुद्री सीमाओं के संरक्षक के रूप में अपनी भूमिका को बरकरार रखने के लिए भारतीय तटरक्षक बल की अटूट प्रतिबद्धता दोहराई।

कमांडरों के सम्मेलन का सफल समापन भारत के समुद्री हितों की सुरक्षा में निरंतर सुधार, नवाचार और सहयोग के लिए भारतीय तटरक्षक बल के समर्पण का एक प्रमाण है।

तटरक्षक कमांडरों का 40वां सम्मेलन
30 नवंबर - 02 दिसंबर 2023
XL COAST GUARD COMMANDERS' CONFERENCE
30 NOVEMBER - 02 DECEMBER 2023

THE INDIAN COAST GUARD